नवभारत

टॉप-10 में शामिल होगा IIM नागपुर

इस वर्ष अपने कैंपस में पढ़ेंगे छात्र

IIM नागपुर के निदेशक भीमराया मेत्री ने कहा

व्यापार प्रतिनिधि

नागपुर. नागपुर आईआईएम थर्ड जनरेशन आईआईएम की श्रेणी में हैं. पिछले 5 वर्षों में एक से बढ़कर एक कार्य कर संस्थान ने अपने को स्थापित कर लिया है. इस वर्ष भी कई ऐसे करार करने की योजना है,जो आईआईएम के छात्रों को एक बेहतर नागरिक और लीडर बनाने में मददगार साबित होगा. इन सब के कारण आईआईएम नागपुर जल्द ही देश के टॉप-10 आईआईएम में अपनी जगह बना लेगा. उक्त के विचार आईआईएम के निदेशक भीमराया मेत्री ने व्यक्त किए. मेत्री ने कहा कि नया कैंपस का निर्माण कार्य तेजी से जारी है. होस्टल तथा प्रबंधन बिल्डिंग तो फरवरी-मार्च में ही पूर्ण हो जाएगा. जून माह से नए भवन में शैक्षणिक सत्र भी शुरू हो जाएगा. नया कैंपस भी 132 एकड़ में है, जहां पर छात्रों को एक ही जगह पर सारी सुविधाएं मिलेंगी. कैंपस आधुनिक तो होगा ही और एक मिसाल भी पेश करेगा.एक अच्छे माहौल में लीडर को तैयार करने में काफी मदद भी मिलेगी.

पहले चरण में 600 छात्रों की क्षमता

उन्होंने बताया कि पहले चरण में 600 छात्रों के साथ नया कैंपस शुरू होगा. इसके बाद और 600 छात्रों की क्षमता बढ़ाई जाएगी. वर्तमान में 220 छात्र पहले वर्ष में हैं,114 छात्र सेकंड ईयर की पढ़ाई कर रहे हैं. इस बार 240 छात्रों को प्रवेश दिया जाएगा.

अभी से कमाई शुरू

उन्होंने कहा कि बेहतर कार्य और कार्य नियोजन की बदौलत आईआईएम ने कमाई भी शुरू कर दी है. बेहतर कार्यप्रणाली के कारण आईआईएम नागपुर ने अब तक 10 से 15 करोड़ रुपये की आय भी अर्जित कर ली है. किसी भी संस्थान के लिए यह एक बड़ी उपलब्धि ही हैं. आज हमें कई प्रतिष्ठित ठेके भी मिल रहे हैं. हमारे छात्र भी इन्हें पूरा करने में अपनी पूरी योग्यता लगा रहे हैं. इसका प्रतिफल है कि प्रोजेक्ट्स पूर्ण हो रहे हैं.

इन केंद्रों की होगी शुरुआत

- सेंटर फॉर एक्सीलेंस
- सेंटर फॉर लीडरशिप डेवलपमेंट
- सेंटर फॉर साइबर सिक्यूरिटी एंड बिजनेस एनालिसिस
- सेंटर फॉर इंफ्रास्ट्रक्चर एंड प्रोजेक्ट मैनेजमेंट
- इंडो-जापान रिसर्च सेंटर
- सेंटर फॉर कारपोरेट गवर्नेंस, सीएसआर एंड सस्टेनाबिलिटी
- सेंटर फॉर ब्रांड मैनेजमेंट
- सेंटर फॉर एंटरप्रन्योरशिप

इनसे हुआ करार

- चुओ यूनिवर्सिटी जापान
- मुलेनलोवे लिंटास
- इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्टरेटरी ऑफ इंडिया
- सीएफए इंस्टीट्यूट

साथ वाले रह गए पीछे

मेत्री कहते हैं कि आज के डिजिटल और तेज रफ्तार दौर में सबसे अहमियत है टाइम की. हम टाइम के साथ चल रहे हैं. जबकि नागपुर आईआईएम के साथ आये कई कैंपस तो आज तक बने ही नहीं हैं या फिर अपूर्ण हैं. आज देश में कुल 20 आईआईएम हैं. पुराने आईआईएम को भी हम आज टक्कर देने की स्थिति में आ गए हैं.

इनफेड से 2.35 करोड़ की आय

संस्थान ने इनफेड नाम से कंपनी शुरू की है. इसका उद्देश्य लोकल कंपनियों को प्रमोट करना है और सरकारी कंपनियों को भी. इस प्रोजेक्ट के लिए संस्थान को 2.35 करोड़ रुपये प्रदान किया गया है. संस्थान स्थानीय कंपनियों के अधिकारियों को प्रशिक्षण देगी, ब्रांडिंग के तौर तरीके बताएगी. इसी प्रकार ई-लर्निंग माध्यम भी शुरू किया जा रहा है.